तैयारी : अप्रेल. 2026 से आ सकता है नया पाठ्यक्रम

अब भविष्य गढ़ने की नई लड़ाई, कक्षा-3 से होगी एआइ की पढ़ाई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) को कक्षा-3 से ही सिखाने की तैयारी कर रही है। अप्रेल, 2026 से देश के करीब 31,000 स्कूलों में तीसरी क्लास और इससे आगे के बच्चों के लिए ऐसा करिकुलम शुरू हो सकता है, जिसमें वे घटाव, गुणा, भाग, पठन बोध, व्याकरण और वाक्य रचना सीखने के साथ लैंग्वेज मॉडल, चैटबॉट प्रॉम्प्ट सहित जनरेटिव एआइ भी सीखेंगे। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा मंत्रालय इस पहल को स्किल इंडिया इकोसिस्टम से जोड़कर देशभर में लागू करने की तैयारी कर रहा है। शिक्षकों के लिए एआइ टूल्स से पाठ योजनाएं तैयार करने वाले पायलट प्रोजेक्ट पहले से चल रहा है।

अभी 18,000 से अधिक सीबीएसई स्कूलों में कक्षा 6 से 15 घंटे का एआइ मॉड्यूल पढ़ाया जा रहा है, वहीं 9वीं-12वीं में यह एक वैकल्पिक विषय है। 2024-25 में करीब 8 लाख छात्रों ने एआइ विषय को चुना।

एआइ से पैदा होगी 80 लाख नौकरियां

हाल में आई नीति आयोग की रिपोर्ट 'रोडमैप फॉर जॉब क्रिएशन इन द एआइ इकोनॉमी' के मुताबिक, एआइ से करीब 20 लाख पारंपरिक तकनीकी नौकरियां खत्म हो सकती हैं, वहीं 80 लाख नई नौकरियां भी पैदा होंगी। आयोग ने नेशनल एआइ टैलेंट मिशन शुरू करने का सुझाव दिया है। इसमें एआइ साक्षरता को बुनियादी स्किल बनाना। एआइ से जुड़े जॉब्स के लिए तैयार करना और भारत को ग्लोबल एआइ टैलेंट हब बनाने के लक्ष्य शामिल हैं।